मुझे कौन छुड़ाएगा ?

किसी रविवार के दिन मैं बसुतोलेन्ड के किसी एक मुखिया के गांव में आश्चर्यजनक सुसमाचार प्रचार कर रहा था। श्रोतागणों की एक बड़ी भीड़ मुखिया और उसकी पत्नी सहित परमेश्वर का वचन सुनने के लिये वहां उपस्थित थी। वचन जीवित, और प्रबल, और हरएक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है, जिसने भीड़ के लोगों के हृदयों को आर-पार छेद दिया।

जब मैं प्रचार कर रहा था, तो उस बड़े मुखिए की पत्नी, रानी, फूट फूट कर रोने लगी। अपने आंसुओं के साथ जो उसके गालों से होकर बहती थी, वह उठ खड़ी होकर पुकार उठी, "मुझे कौन छुड़ाएगा ? कृपा कर के मेरी सहायता कीजिए, मेरा हृदय बहुत ही दुःखित है, मैं निकम्मा, घृणित और अभागा जन हूं। मुझे

मुझे कौन छुड़ाएगा !

जो कोई पाप करता है, वह शैतान की ओर से है। १ यूहन्ना ३:८ ॥

कौन बचा सकता है ? मुझे कौन इस भयानक पाप के दासत्व से छुड़ाएगा ? मैं क्या करूं ? आप सब जानते हैं कि मैं एक मुखिया की पत्नी (रानी) हूं, और एक प्रार्थना करने वाली स्त्री भी हूं।

मैं बीस वर्ष से भी अधिक हुए आराधनालय (गिर्जे) मे उपस्थित होती आई हूं, परन्तु ये सब कुछ भी मेरी सहायता नहीं की है, वे मुझे छुड़ा नहीं सकते हैं, पाप ने मुझे बान्ध रखा हैं। मैं पियक्कड और हत्यारिन हूं। मेरे हाथ अशुद्धता और कुकर्म से भरे पड़े हैं, क्योंकि ये शराब आदि नशीली वस्तुओं के बनाने में लगी हुई हैं---वह स्रापित पीने की वस्तु ! पाप ने मेरे हाथों और पांवों को बान्ध रखा है, मैं नरक की कैदी हूं !"

वह फिर बहुत ही फूट-फूट कर रोई और बैठ गई और ऊंचे स्वर से पुकारीः मेरी सहायता कीजिए ! मेरी सहायता कीजिए ! मुझे कौन छुड़ाएगा ? मुझे कौन इन पापों की बेड़ियों से छुड़ाएगा ? मैं परमेश्वर से प्रेम रखती हूं, परन्तु पाप मुझ पर प्रभुता करता है, पाप मुझे नरक की ओर घसीटे ले जा रहा है। मैं ने अपने पहिलौटे छोटे नन्हे पुत्र को मार डाला, मैं नशे में होकर उसे अपनी पीठ पर लाद कर ले जा रही थी, और नशे की हालत में होकर जमीन पर लोट पड़ी और अपने दुलारे छोटे पुत्र के सिर को कूंच कूंच कर ऐसा नरम कर दी कि वह मर गया। कृपया मेरी सहायता कीजिए, मुझे इस मृत्यु से छुड़ाइए ! असभ्यों के धर्म ने मेरी कोई सहायता नहीं की। धर्म ने मेरी कोई भी सहायता नहीं की। कौन मेरी सहायता कर सकता है ? मुझे कौन छुड़ाएगा ?

मैं ने उसे उत्तर देकर कहाः आप को शान्ति मिले। निराश मत होइए। आप का दुःख हर एक का दुःख है। परमेश्वर की पुस्तक बाईबल (धर्म शास्त्र) आप के हृदय की पुकार का उत्तर देता है। रोमि. ७: १५-२५ हम सभों को बतलाता है कि पाप किस प्रकार हम पर प्रभुता करता है, परन्तु यह भी बतलाता है कि एक है जो हमे इस से छुड़ा सकता है।"

क्योंकि मैं जानता हूं, कि मुझ में (अर्थात् मेरे शरीर में) कोई अच्छी वस्तु बास नहीं करती, इच्छा तो मुझ में है, परन्तु भले काम मुझ से बन नहीं पड़ते। क्योंकि जिस अच्छे काम की मैं इच्छा करता हूं, वह तो नहीं करता परन्तु जिस बुराई की इच्छा नहीं करता, वही किया करता हूं। पाप जो मुझ में बसा हुआ है, वह बरबस मुझ से लगातार बुराई कराता है, और भलाई करने की इच्छा जो मैं रखता हूं, वह कर नहीं पाता। मैं भीतरी मनुष्यत्व से तो परमेश्वर की व्यवस्था से बहुत ही प्रसन्न रहता हूं, परन्तु अपने अंगों में दूसरे प्रकार की व्यवस्था पाता हूं, जो मेरी बुद्धि की व्यवस्था से लड़ती है और मुझे पाप की व्यवस्था की बन्धन में डालती है। चाहे जल्द हो या देर से हो, पर हर एक के हृदय से यही पुकार निकलेगी---**मैं कैसा अभागा मनुष्य हूं ! मुझे कौन छुड़ाएगा ?**॥ यदि हम परमेश्वर को पुकारते हैं तो वह हमें उत्तर देगा और हमें छुड़ाएगा।"

उत्तर

मैं अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं। रोमि. ७ : २५॥ यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करेगा तो सचमुच तुम स्वतंत्र हो जाओगे। युहन्ना. ८ : ३६ ॥

यीशु ही हमारे सभी प्रश्नों का उत्तर है। आप के प्रश्न का भी। किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं केवल यीशु के नाम में, जिस के द्वारा हमें उद्धार पाना है। प्रेरित. ४ : १२।

केवल यीशु ही हमें हमारे पापों से बचा सकता है। केवल उसका लोहू जो क्रूस पर से बहाया गया, हमें सब पापों से शुद्ध कर सकता है। न कोई डाक्टर, न कोई दवा, न कोई ओझा टोन्हा, न कोई मनुष्य न कोई प्रचारक या पुरोहित (पाद्री) न कोई आराधनालय (गिर्जे) आप को पाप से बचा सकता है। केवल यीशु जो परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत के पापों को उठा ले जाता है, वही अपने लोहू के द्वारा से, और अपने आत्मा के सामर्थ से आप को बचा सकता है।

यीशु परमेश्वर का पुत्र अन्धों की आंखे खोलने, बन्धुओं को बन्दीगृह से निकालने और जो अन्धियारे में बैठे हैं उनको कालकोठरी से निकालने को इस जगत में आया। यशायाह ४२ : ६, ७। यीशु ने कहा: "जो पाप करता है वह पाप का दास है, परन्तु यदि (परमेश्वर का) पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करेगा, तो सचमुच तुम स्वतंत्र हो जाओगे।" युहन्ना ८ : ३४–३६ ॥ यीशु ही सत्य है जो स्वतंत्र करता है।

मैं यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को धन्यवाद करता हूं

जिसे पुत्र (यीशु) स्वतंत्र करेगा, वह सचमुच स्वतंत्र होगा। (युहन्ना ८ : ३६)

यीशु परमेश्वर का पुत्र हमारे सब पापों को अपनी देह में उठा कर क्रूस पर चढ़ गया। आप के सब पापों को क्रूस पर चढ़ाया गया। "निश्चय उसने हमारे सब रोगों को सह लिया और हमारे दुःखों को उठा लिया। वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिये उसपर ताड़ना पड़ी, कि उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो जाएं। यशायाह ५३ : ३–७।

बरब्बा पापी और हत्यारा (खूनी) था जिसपर मृत्यु की दंड पड़ी थी। उसी को क्रूस पर चढ़ना था, परन्तु यीशु ने उसका स्थान ले लिया और उस क्रूस को उठा लिया, जिस पर बरब्बा को मरना था। यीशु, परमेश्वर का पुत्र, बरब्बा के स्थान में, आप के

स्थान में और मेरे स्थान में क्रूस पर चढ़ाया गया। हत्यारे को छुटकारा मिली, क्योंकि दूसरा जन उसके मरने के स्थान में मर गया। आप और मैं ही वह बरब्बा हूं।

पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का बरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है। यदि विश्वास में होकर आप मसीह के क्रूस पर दृष्टि करेंगे, तो आप अपने को और अपने पापों को क्रूस पर चढ़ाया हुआ देखेंगें। यीशु ने आप का स्थान क्रूस पर लिया कि आप सदाकाल के लिए जीवित रह सकें। उसने आप को पापों से छुड़ाने के लिए अपना लोहू बहाया। क्योंकि परमेश्वर ने आप से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि आप नाश न हो, पर अनन्त जीवन पाएं।

इन सब बचनों के सुनने के उपरान्त मुखिया की पत्नी पूरी रीति से यीशु पर विश्वास लाई और अपने हृदय को उसे जो उसके लिए क्रूस पर मर गया दे दी, जिसने अपना बहुमूल्य लोहू बहाया कि उसके सारे हृदय को उसके सारे पापों से शुद्ध करे। उसने अपने पाप पूर्ण हृदय को परमेश्वर को दे दिया और परमेश्वर ने उसे एक नया हृदय दिया और उसे पवित्र आत्मा से भरपूर किया। वह न केवल उसके सारे पापों को क्षमा ही किया बरन उसे पाप के सामर्थ और प्रभुत्व से भी बचाया। उस समय से लेकर जो बहुत वर्ष हो गए, वह सुन्दर, जयवन्त और शुद्ध जीवन व्यतीत करती हुई आ रही है। वह किसी भी रूप में नशापान नहीं करती, न धूम्रपान करती न सुंघनी, तम्बाकू का व्यवहार करती है, परन्तु शुद्ध और पवित्र जीवन व्यतीत करती है और सत्य का ज्वलन्त गवाह है। वह मसीह यीशु में पूर्ण रूप से नई सृष्टि है। "पुरानी बातें बीत गई हैं, देखो, वे सब नई हो गई।" २ कुरिन्थि. ५ : १७ ॥

प्रिये पाठको ! आप भी यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा छुटकारा पा सकते हैं। यीशु ने कहा, "हे सब परिश्रम करने वालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ मैं तुम्हें बिश्राम दूंगा" आप जैसा भी हैं और जहां भी हैं, आप यीशु के पास आएं। आप अपने पापों और रोगों या दुःखों के विषय उसे बतलाएं। वह आप को दूर नहीं करेगा, यदि आप दीन और चूर्ण और विश्वासी हृदय से उसके पास आते हैं। शायद आप कलीसिया के पुराने सदस्य हैं, परन्तु आप पाप में जकड़े हुए हैं। आप यीशु के पास आएं, वह शीघ्र ही आप को स्वतंत्र करेगा, ठीक उसी प्रकार से, जिस प्रकार से उसने कोढ़ी को और अन्धे को चंगा किया। यीशु अब भी वैसा ही है और टूटे हृदय वाले को चंगा कर सकता और बन्धुए को छुटकारा दे सकता है। वही तो तेरे सब अधर्म को क्षमा करता, और तेरे सब रोगों को चंगा करता है।" भजन. १०३ : ३ ॥

जब आप ने अपना हृदय यीशु को दे दिया है, तो दूसरों को भी उसके विषय में बतलाएं जिसने आप को स्वतंत्र किया। हम भी चाहते हैं कि आप से सुनें।

J.R. Gschwend

E-MAIL: info@angp.co.za
ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS
P.O. Box 2191, PRETORIA, 0001, R.S.A.
(A Gospel Literature Mission financed by donations)
(Reg. No. 1961/001798/08)